>

Title: Issue regarding irregularities in treatment of patients in AIIMS, Delhi.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): आदरणीय सभापति महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। देश का सबसे बड़ा आयुर्विज्ञान क्षेत्र में कार्यरत दुनिया भर में विख्यात ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज़ जिस उद्देश्य से स्थापित किया गया था, उससे हट कर एक करप्शन का अड्डा बन गया है। एम्स में गरीबों की सेवा करने के स्थान पर पैसे वालों का इलाज करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। एम्स की सेवा पर कई तरह के यूज़र चार्जेज़ लगाये जा रहे हैं एवं प्रत्येक जांच के लिए मरीजों को कई-कई महीनों का लम्बा इन्तजार करना पड़ता है तथा दिल्ली के बाहर सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आने वाले रोगियों को कई दिक्कतों का सामना करने के साथ-साथ ऑपरेशन हेतु तारीख पर तारीख देकर सालों बाद ऑपरेशन किया जाता है, जिसके कारण कई मरीज काल के गाल में समा जाते हैं। उनका इलाज सही ढंग से नहीं हो पाता है तथा नाना प्रकार के टैस्ट बाहर से करवाने के लिए कहा जाता है।

दूसरी ओर उप-निदेशक द्वारा एम्स के सौंदर्यीकरण, लग्जरी कारों, कार्यालयों व आवास पर करोड़ों रुपया पानी की तरह बहाया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि स्वास्थय मंत्रालय के रिटायर्ड लोगों को एम्स में सलाहकार के पदों पर इन्होंने नियुक्त किया है, यानि जो पैसा गरीबों के इलाज के लिए एवं बीमारी के अनुसंधान पर खर्च होना चाहिए था, वह ये लोग अपनी सुख-सुविधा पर खर्च कर रहे हैं। इन सारे कार्यों में डी.डी.ए. ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, जिससे वित्तीय अनियमितता परिलक्षित होती है।

मुझे खेद है कि सरकार को इस बात की जानकारी रहने के बावजूद आज तक इस सम्बन्ध में कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्वास्थ्य मंत्री जी का लोकहित के इस तरह के महत्वपूर्ण विषय पर रवैया ढुलमुल है, इसलिए मेरा सदन के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी से अनुरोध है कि इस प्रकार के अधिकारी को तुंत निलंबित कर इनके कार्यकाल की उच्चस्तरीय जांच एक कमेटी द्वारा करायी जाए तथा एम्स को गरीबों के इलाज करने के लिए जो कार्य हैं उनकी समीक्षा की जाए, क्योंकि इस अधिकारी ने एम्स को अमीर आदमी के लिए बना दिया है।